न्यूज डायरी

चुनौतियों से निपटने के लिए अमेरिका भारत को जारी रखना होगा सहयोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। कोरोना महामारी और जलवायु संकट समेत कई ऐसी बड़ी चुनौतियां हैं जिसका सामना अमेरिका और भारत मिलकर कर रहे हैं और इसे निरंतर आगे ले जाने की जरूरत है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने स्थानीय समयानुसार मंगलवार को हावर्ड यूनिवर्सिटी में अमेरिका–भारत उच्च शिक्षा संवाद के तहत एक कार्यक्रम में बोला। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को मजबूत बनाने में यूनिवर्सिटी अहम भूमिका निभा रही है। विदेश मंत्री ब्लिंकन ने कहा कि दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्रों के रूप में, अमेरिका और भारत को हमेशा एक–दूसरे से कुछ सीखने को मिलता है। ब्लिंकन ने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच सोमवार को चौथी 'टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता की। इस वार्ता में शिक्षा समेत अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का फैसला किया।

शंघाई में कोरोना वायरस के 23 हजार से ज्यादा मामले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) शंघाई। चीन में कोरोना की तीसरी लहर बेकाबू हो रही है। यहां कोरोना के रोजाना हजारों मामले सामने आ रहे हैं। चीन का आर्थिक हब कहे जाने वाले शंघाई में हालात और बुरे हैं। यहां बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 3,200 नए मामले सामने आए हैं। वहीं, 19,872 लक्षणहीन केस दर्ज किए गए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक नगर स्वास्थ्य आयोग ने शुक्रवार को ये जानकारी दी है। इससे पहले बुधवार को शंघाई में कोरोना के 2,573 मामले सामने आए थे जबकि लक्षणहीन मामलों की संख्या 25,146 थी। कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण सप्लाई चेन में बाधा आ रही है। बता दें कि चीन के सबसे बड़े शहर में पिछले कुछ दिनों से लाकडाउन लगाया गया है। ग्लोबल टाइम्स में छपे एक लेख में कहा गया कि लाकडाउन की वजह से 2 करोड़ लोगों के घरों में कैद हैं। बढ़ते संक्रमण की वजह से लोगों की चिंताएं और बढ़ने लगी हैं।

चिली में 3800 साल पहले आया था इतिहास का सबसे खतरनाक भूकंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सैंटियागो। भूकंप आने का कोई अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। जब भी कोई बड़ा भूकंप आता है तो वह अपने साथ तबाही लेकर आता है, फिर चाहे वह 2005 का कश्मीर में आया भूकंप हो, 2010 में हैती में आया भूकंप हो या फिर 2015 में नेपाल में आया भूकंप। इन सभी ने बड़ी तबाही मचाई। लेकिन एक नए अध्ययन में पता चला है कि यह सभी भूकंप 3,800 साल पहले उत्तरी चिली में आए भूकंप के सामने कुछ भी नहीं है। साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं का कहना है कि इतिहास में सबसे बड़ा भूकंप करीब 3800 साल पहले उत्तरी चिली में आया, जिसकी तीव्रता लगभग 9.5 मैग्नीट्यूड थी। यह भूकंप कितना खतरनाक था इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चिली से करीब 5,000 किलोमीटर दूर न्यूजीलैंड में इसके झटके से सुनामी आ गई थी।

मरक्यूरी तक पहुंची प्लाज्मा की लहर, तूफान का खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। सूर्य से निकली एक विशालकाय प्लाज्मा वेव बुध ग्रह से टकराई। यह घटना है कि 12 अप्रैल की, जिसने ग्रह की सतह पर जियोमैग्नेटिक तूफान और मलबे के फैलने की संभावनाओं को बढ़ा दिया है। सूर्य पर शक्तिशाली विस्फोट, जिसे कोरोनल मास इजेक्शन कहा जाता है, 11 अप्रैल की शाम को हुआ था। इससे निकली प्लाज्मा लहर को बुध ग्रह से टकराने में एक दिन से भी कम समय लगा, जहां इसने संभवतः एक अस्थायी वातावरण पैदा किया और बुध की धूमकेतु जैसी पूंछ में कुछ मलबा भी छोड़ दिया। लाइव साइंस की खबर के अनुसार प्लाज्मा की यह लहर एक सनस्पॉट से आई थी। सूर्य पर बनने वाले सनस्पॉट दरअसल बाहरी सतह पर बनने वाले शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र हैं जो विद्युत आवेशों के प्रवाह से बनते हैं। इस प्रक्रिया से ऊर्जा रेडिएशन विस्फोट के रूप में निकलती है जिसे सौर लहरें या प्लाज्मा की लहरें कहते हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे इमरान खान को पीओके में भी झटका

पीओके के कथित पीएम अब्दुल कय्यूम नियाजी ने इस्तीफा दिया

झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान नियाजी को बड़ा झटका लगा है। इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेता और पीओके के कथित प्रधानमंत्री सरदार अब्दुल कय्यूम नियाजी ने इस्तीफा दे दिया है। अब्दुल कय्यूम के खिलाफ पीटीआई के अंदर ही बड़ा विद्रोह हो गया था। पीटीआई के सदस्यों ने ही अब्दुल कय्यूम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश कर दिया था। इसके बाद अब्दुल कयूम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

अब्दुल कय्यूम ने अविश्वास प्रस्ताव को रोकने के लिए अपना इस्तीफा इमरान खान और राज्य के कथित राष्ट्रपति दोनों के पास भेज दिया। उनके खिलाफ पीटीआई के क्षेत्रीय अध्यक्ष सरदार तनवीर इल्यास ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। उन्होंने हाथों से लिखे अपने इस्तीफे में कहा कि पीओके संविधान के अनुच्छेद 16 (1) मुताबिक अपने पद से इस्तीफा देता हूं।

पीटीआई के ही 25 सदस्यों ने अविश्ध्वास प्रस्ध्ताव पेश कियाः डॉन की रिपोर्ट मुताबिक पीओके के कथित राष्ट्रपति सुल्तान महमूद चौधरी को इस्तीफा मिल गया है और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। अब्दुल कय्यूम को शुक्रवार को अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना था। दरसअल, पीटीआई के ही 25 सदस्यों ने अब्दुल कय्यूम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि अब्दुल कय्यूम ने संसदीय दल का विश्वास खो दिया है और कश्मीर के मुद्दे को उठाने में फेल साबित हुए हैं।

पीटीआई के बागी दल ने आरोप लगाया कि अब्दुल कय्यूम नियाजी भाई भतीजा को बढ़ावा दे रहे हैं। पीओके के संविधान के मुताबिक उन्हें अब्दुल कय्यूम का उत्तराधिकारी बताना जरूरी था। इसी वजह से उन्होंने अब्दुल नियाजी की जगह पर पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष इल्यास को अपना उम्मीदवार नामांकित किया। इससे पहले अब्दुल कय्यूम नियाजी ने अपने 4 मंत्रियों और एक सलाहकार को बर्खास्त कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि ये लोग गलत काम कर रहे थे।

गौरतलब है कि सत्ता गंवाने वाले पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को देशद्रोह के आरोपों का सामना करना पड़ सकता है। इमरान ने अपने विरोधियों से लड़ने में संविधान के जिन प्राविधानों की अनदेखी की अब वे ही उनके खिलाफ देशद्रोह के मामले में आरोपों की वजह बन सकते हैं।

यूक्रेन की जंग में परमाणु बम गिरा सकते हैं पुतिन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के डायरेक्टर ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन की जंग में रूस के रणनीतिक या कम क्षमता वाले परमाणु बम के इस्तेमाल के खतरे को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। सीआईए डायरेक्टर विलियम बर्न्स की इस विस्फोटक टिप्पणी से साफ हो गया है कि यूक्रेन की जंग में परमाणु बम के इस्तेमाल का खतरा बढ़ता जा रहा है। हालांकि बर्न्स ने यह भी कहा कि सीआईए को अभी रूसी परमाणु हमले के खतरे को लेकर बहुत ज्यादा व्यवहारिक साक्ष्य नहीं मिला है।

रूस ने गत 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमले शुरू किए थे जो अभी भी जारी हैं। यह द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद किसी यूरोपीय देश पर सबसे बड़ा हमला है। इससे पहले रूस के सुरक्षा परिषद के डेप्युटी चेयरमैन और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के नजदीकी सहयोगी दमित्री मेदवेदेव ने चेतावनी दी थी कि अगर स्वीडन और फिनलैंड ने नाटो को जॉइन किया तो मास्को यूरोप के बीच में बसे अपने सैन्य अड्डे कालिनग्राड में परमाणु बम और हाइपरसोनिक मिसाइलों की तैनाती कर सकता है। वह भी तब जब रूस कीव पर कब्जा करने में विफल रहा और उसे कुछ इलाकों से पीछे हटना पड़ा है।

यरुसलम में इजरायली पुलिस व फलस्तीनियों में हुई झड़प

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरुशलम। यरुशलम के ओल्ड सिटी में स्थित अल अक्सा मस्जिद में रमजान की नमाज अदा करने के बाद शुक्रवार सुबह इजरायल की पुलिस और पत्थरबाजी करने वाले फलस्तीनियों के बीच झड़प हो गई। इस हिंसक घटना में जख्मी हुए सात लोगों को अस्पताल ले जाया गया। घटना के मद्देनजर वहां तनावपूर्ण हालात हैं। जुमे की नमाज के बाद आज की हिंसा के कारणों का अब तक पता नहीं चला है। मस्जिद का प्रशासनिक कार्य संभालने वाली संस्था ने बताया कि आज सुबह की नमाज के तुरंत बाद ही मस्जिद में इजरायली पुलिस ने प्रवेश किया, जब हजारों लोग वहां मौजूद थे।

पाकिस्तानी सेना पर चार दिनों में दूसरा बड़ा आतंकी हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में दो आतंकवादी हमलों में आठ पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग आईएसपीआर के बयान के अनुसार पहला आतंकी हमला उत्तर वजीरिस्तान के दत्ता खेल में हुआ जब आतंकवादियों ने सेना की एक चलती गाड़ी को निशाना बनाया। आतंकियों ने हमले में असॉल्ट गन और रॉकेट–लॉन्चर ग्रेनेड का इस्तेमाल किया।

खबर के अनुसार मारे गए सैनिकों के शव एक सैन्य

आतंकी हमलों में 105 सैन्यकर्मियों की मौत

हेलीकॉप्टर से उत्तरी वजीरिस्तान के प्रशासनिक मुख्यालय मिरामशाह ले जाए गए। दूसरा हमला उत्तरी वजीरिस्तान के ईशाम इलाके में हुआ। आईएसपीआर के हवाले से स्थानीय मीडिया ने खबर दी कि इस हमले में मियांवाली के सिपाही अस्मतुल्ला खान क्रॉस फायरिंग में मारे गए। पाकिस्तानी सेना इलाके में छिपे आतंकवादियों को मारने के लिए अभियान चला रही है।

इससे पहले सोमवार को दक्षिण वजीरिस्तान जिले में सुरक्षा बलों की एक चेक पोस्ट पर हमला हुआ था। पाकिस्तान में साल के पहले तीन महीनों में हुए आतंकी हमलों में अब तक 105 सैन्यकर्मी जान गंवा चुके हैं जिसमें 97 सैनिक और सैन्य अधिकारी हैं। आईएसपीआर निदेशालय ने कहा कि इस अवधि के दौरान 128 आतंकवादी मारे गए हैं और 270 को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इससे पहले सोमवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस की गश्त वैन पर आतंकवादियों द्वारा किए गए रॉकेट हमले में कम से कम पांच पुलिसकर्मियों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए थे। पुलिस ने बताया कि सोमवार देर रात दिखां जिले की कुलाची तहसील में नियमित गश्त अभियान के दौरान अज्ञात आतंकवादियों ने पुलिस वैन पर हमला कर दिया।

तबाही की घंटी! अंटार्कटिका में बची है सिर्फ आखिरी परत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। अंटार्कटिका में मार्च का तापमान जब सामान्य से 38 डिग्री सेल्सियस अधिक हुआ तो लॉस एंजिल्स के आकार की बर्फ की एक परत पिघल गई। वैज्ञानिकों को यह तो नहीं पता कि अत्यधिक तापमान ने इस घटना में क्या भूमिका निभाई लेकिन श्वायुमंडलीय नदीश से निकलने वाली गर्मी इसके लिए घातक साबित हुई। वायुमंडलीय नदी आर्द्रता की एक लंबी धारा होती है, जो गर्म हवा और जलवाष्प को उष्णकटिबंध क्षेत्रों से धरती के अन्य हिस्सों तक लेकर जाती है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार को प्रकाशित एक नए अध्ययन में बताया गया है कि श्आसमान की नदियांश, जो बारिश कराती हैं और बर्फ गिराती हैं, अत्यधिक तापमान, सतह को पिघलाने, समुद्री बर्फ को कमजोर करने और महासागरों का जलस्तर बढ़ाने के लिए जिम्मेदार होती हैं। इन परिस्थितियों का अध्ययन अंटार्कटिका की दो बर्फ की परतों के पिघलने के दौरान किया गया।